चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	14.08.2020	02	07-08

LAUNCH OF KRISHI MEGH HAILED

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) Vice-Chancellor Prof Samar Singh said Krishi Megh would be a useful tool for agricultural research. Union Agriculture and Farmers Welfare, Rural Development and Panchayati Raj Minister Narendra Tomar had launched the Krishi Megh service and other three services recently. The data recovery centre of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), named Krishi Megh, has been prepared under the National Higher Agricultural Education Project. It is a digital platform on which agricultural data would be available and this would promote agricultural education and research work along with the new education policy. VC Prof Singh congratulated Union Minister Tomar on the implementation of these services. National Higher Agricultural Education Project national director Dr RC Agarwal was congratulated by the VC who said Krishi Megh was an innovation-based step which was a key link in the Digital India programme and would act as an active medium among farmers, agricultural students and experts. Such programmes for the welfare of farmers would lead to practical and positive results in the future. He said the digital cloud system would be useful in doing quality research work in the interests and welfare of farmers.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.08.2020	04	01-08

सावधान | एडमिशन लेने जाएं तो साइबर ठगों से बचकर रहें, एडमिशन से पहले संस्था के अंदर जाकर लें पूरी जानकारी

▪ एचएयू-लुवास वीसी ने किया अलर्ट- प्रवेश से पहले खंगाल लें विवि-कॉलेज की कुंडली, एक क्लिक पर हासिल की जा सकती है जानकारी

▪ किसी भी कोर्स में एडमिशन लेने से पहले उसके बारे में संबंधित संस्था के पदाधिकारियों से हासिल कर लें जानकारी

स्नातक और स्नातकोत्तर में घर बैठे एडमिशन दिलाने के नाम पर साइबर ठग छात्रों के पास कर रहे कॉल

महबूब अली | हिसार

कोरोना कॉल में सभी विवि और कॉलेजों में फिलहाल क्लासेस बंद हैं। ऑनलाइन ही स्टूडेंट्स को पढ़ाई कराई जा रही है। घर बैठे छात्र एवं छात्राओं को दो से पांच हजार रुपये में विभिन्न कोर्स कराने का झांसा देने के लिए ठग कॉल कर रहे हैं। स्टूडेंट्स के पास इस बोर में कॉल आ रही हैं। विवि के कुलपति और अन्य ने छात्र एवं छात्राओं से अपील कि है कि किसी भी कॉलेज या विवि में एडमिशन लेने से पहले उसके बारे में संस्था के अंदर जाकर ही पूरी जानकारी हासिल कर लें। तभी एडमिशन लेने के लिए जाएं। साइबर ठगों से बचकर रहें।

प्रो. सुनील कुमार कहते हैं कि कोरोना संक्रमण के बीच सत्र 2020-21 में प्रवेश की तैयारियों में जुटे छात्र संबंधित यूनिवर्सिटी या कॉलेज की कुंडली जरूर खंगाल लें। जिन कोर्स या कॉलेज में छात्र दाखिला लेने जा रहे हैं, वह मान्यता प्राप्त है या नहीं। इसकी जानकारी एक क्लिक पर घर बैठे ही पा सकते हैं। यदि कोर्स एवं कॉलेज मान्यता प्राप्त है तभी उसमें प्रवेश लें।

एडमिशन लेते समय इन दो बातों का ध्यान रखना जरूरी

▪ किसी भी संस्थान के बारे में दो स्तर पर सत्यापन किया जा सकता है। पहला चरण है मान्यता। इसके लिए देश में संवैधानिक संस्थाएं हैं, जो संबंधित कोर्स विशेष के लिए मान्यता देती है। जैसे नर्सिंग कोर्स के लिए मान्यता देने वाली संस्था इंडियन नर्सिंग काउंसिल है। इस काउंसिल के पैरामीटर को पूरा करने पर ही कॉलेज कोर्स चलाने के लिए मान्य हैं। हर कोर्स में मान्यता के लिए अलग-अलग संस्थाएं हैं। जैसे यूजीसी, एआईसीटीई, एनसीटीई, बीसीआई, आईसीएआर आदि।

▪ दूसरा चरण है संबंद्धता। मान्यता प्राप्त करने के बाद संबंधित संस्थान को किसी यूनिवर्सिटी से संबद्धता प्राप्त करनी होती है। ऐसे में छात्र मान्यता का पता संबंधित कोर्स के लिए बनी संवैधानिक संस्था से कर सकते हैं जबकि वह विवि से संबंद्ध है या नहीं, इसके लिए उस विवि से इसके बारे में पता किया जा सकता है। संबद्धता के लिए विवि इस बात पर निर्भर करता है कि वह किस राज्य और क्षेत्र में है। विवि स्तर पर भी अधिकृत कोर्स की जानकारी भी इन संस्थाओं से मिल जाएगी।

ऐसे भी ऑनलाइन पता किया जा सकता है संस्था के बारे में

▪ https://www.aicte-india.org/ इस वेबसाइट से देश के विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में तकनीकी, प्रबंधन, फार्मेसी, होटल, मैनेजमेंट, आर्किटेक्चर, एप्लाइड, आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, टाउन प्लानिंग, एमसीए कोर्स की वैधता एवं कॉलेज की सत्यता का पता कर सकते हैं। वेबसाइट पर बंद हो चुके कोर्स, कॉलेज और अवैध संस्थानों की पूरी सूची भी उपलब्ध है।

▪ https://www.ignou.ac.in/ राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र दूरस्थ शिक्षा के लिए विवि के कोर्स और इसके देशभर में अधिकृत स्टडी सेंटर की जानकारी इस वेबसाइट पर आसानी से मिल सकती है।

▪ https://ugc.ac.in/deb/ अनेक विवि और संस्थान डिस्टेंस मोड में एजूकेशन की सुविधा दे रहे हैं, लेकिन वे इसके लिए अधिकृत हैं भी या नहीं, इस वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी हासिल की जा सकती है। साइट पर देशभर के अन्य अधिकृत विवि की भी सूची उपलब्ध है।

▪ https://ugc.ac.in/ देशभर में कौन सा विवि वैध है और कौन विवि सरकारी है, प्राइवेट या फिर डीम्ड टू बी यह जानकारी राज्यवार इस वेबसाइट पर मौजूद है। देशभर में चल रहे फर्जी विवि की सूची भी इस वेबसाइट पर मिल जाएगी।

▪ http://www.barcouncilofindia.org/ लॉ एजूकेशन के बारे में बार काउंसिल ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर छात्र जानकारी हासिल कर सकते हैं। बीसीआई समय-समय पर मानक पूरा नहीं करने वाले कॉलेजों की सूची भी जारी कर सकता है।

▪ http://www.ncte.gov.in/website/index.aspx/ बीएड सहित टीचिंग एजूकेशन से जुड़े जितने भी कोर्स और कॉलेज हैं, उनके बारे में एनसीटीई की वेबसाइट पर सब कुछ मौजूद है। यहां पर किसी एक कॉलेज के बारे में जानकारी हासिल की जा सकती है।

▪ http://www.indiannursingcouncil.org/ नर्सिंग कोर्स में देशभर में मान्य कॉलेजों की जानकारी इस वेबसाइट से मिलेगी। राष्ट्रीय स्तर पर वैध कोर्स एवं कॉलेज का डाटा आपको यहां पर मिलेगा।

▪ http://www.pci.nic.in/ फार्मेसी कोर्स में डिप्लोमा या डिग्री स्तर पर प्रवेश के लिए कौन से कॉलेज मान्य हैं, यह वेबसाइट से पता किया जा सकता है।

इंटरनेट नंबरों से कर रहे कॉल

एडमिशन देने के नाम पर ठगी करने वाले अधिकतर ठग कॉल कर कहते हैं कि दिल्ली से बोल रहे हैं। हरियाणा, यूपी के साथ राजस्थान में भी किसी भी कोर्स में दो से लेकर पांच हजार में एडमिशन दिलाने का दावा किया जाता है। हालांकि छात्र एवं छात्राएं ऐसे कॉल की बहकावे में नहीं आ रहे हैं।

स्टूडेंट्स को सही संस्थाओं का चयन करना होगा : प्रो. समर सिंह

किसी भी कोर्स में एडमिशन के लिए छात्र एवं छात्राओं को उस संस्था में जाकर जरूर जानकारी हासिल करनी चाहिए। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यम से भी सही संस्थाओं का चयन किया जा सकता है। छात्र एवं छात्राओं को प्रवेश के लिए कॉल करने वाले ठगों से सावधान रहना चाहिए।'' - प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

सावधानी बरतें : गुरदियाल

छात्र एवं छात्राओं को एडमिशन से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। संस्था में जाकर अवश्य जानकारी हासिल करनी चाहिए।'' नहीं तो ठगी का भी शिकार हो सकते हैं। - डॉ. गुरदियाल सिंह, वीसी, लुवास, हिसार।

बॉडी टेम्परेचर अधिक मिला तो अलग रूम में होगा एंट्रेस एग्जाम

भास्कर न्यूज | हिसार

हाल ही में एचएयू प्रशासन ने फैसला लिया था कि एचएयू में पीजी और पीएचडी में एंट्रेस एग्जाम, यूजी में मेरिट बेस के आधार पर एडमिशन होंगे। हालांकि एचएयू प्रशासन ने अभी एंट्रेस एग्जाम को तारीख निर्धारित की है।

यदि एंट्रेस एग्जाम से पूर्व स्क्रीनिंग में छात्र के शरीर का तापमान अधिक मिलता है तो उसकी परीक्षा दूसरे कक्ष में कराई जाएगी। इसके अलावा हाथ सेनिटाइज कराने और मुंह पर मास्क लगाने के बाद ही छात्र को कक्षा के अंदर एंट्री दी जाएगी। दरअसल, कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर सभी कॉलेज और विवि में छात्र-छात्राओं की एंट्री बंद है। ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है। हालांकि विवि में ऑफिसियल काम चल रहे हैं। एचएयू में पीजी व पीएचडी में एंट्रेस एग्जाम जबकि यूजी में मेरिट बेस के आधार पर एडमिशन का निर्णय लिया था।

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह का कहना है कि एंट्रेस एग्जाम कराते समय सोशल डिस्टेंस का पूरा ध्यान रखा जाएगा। बैंच और कुर्सियों को भी सेनिटाइज कराया जा रहा है। इसके अलावा सेनिटाइजर की उचित व्यवस्था रहेगी। जल्द एग्जाम की तारीख निर्धारित की जाएगी। प्रयास रहेगा कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी न होनी दी जाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.08.2020	01	01-02

ग्रीन हाउस निर्माण प्रकरण

एचएयू वीसी ने फाइल की तलब आज विशेष कमेटी को सौंपेंगे जांच

हिसार | एचएयू में हाईटेक ग्रीन हाउस के निर्माण में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब वीसी डॉ. समर सिंह ने अपने स्तर पर मामले की जांच करानी शुरू कर दी है। सम्बंधित अधिकारियों से गुरुवार को मामले की फाइल तलब की। वीसी ने कहा कि शुक्रवार को मामले की जांच के लिए विशेष कमेटी गठित करेंगे। यहीं नहीं वह खुद भी मामले की जांच करेंगे। एचएयू में 12 करोड़ में ग्रीन हाउस का निर्माण होना है। निर्माण का जिम्मा एस्ट्रोन सोलर पॉवर प्राइवेट लिमिटेड को दिया था। अभी करीब बीस प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। मगर आधे से अधिक यानि करीब सात करोड़ भुगतान करने के मामले में अब वीसी जांच कराएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.08.2020	02	06

कीट से नियंत्रण के लिए खरपतवार प्रबंधन जरूरी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि बारानी खेती में निराई-गुड़ाई का बहुत महत्व है। दलहनी फसलों में खरपतवार, पोषक तत्वों नमी व प्रकाश आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं ,जिससे उपज पर कुप्रभाव पड़ता है। इसलिए खरपतवार रोकथाम के लिए एक गुड़ाई-बिजाई के 20-25 दिन बाद अवश्य करें। खरपतवार फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट जैसे सफेद मक्खी इत्यादि को पनपने मे मदद करते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि खरीफ ऋतु में बोई गई मूंग, उड़द व ग्वार की फसलों में इस समय हरा तेला व सफेद मक्खी का प्रकोप होता है। इन कीटों के प्रकोप से इन फसलों की बढ़वार व पैदावार में कमी आती है। इसलिए इन कीटों का प्रबंधन आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14.08.2020	01	03

फसलों में कीट नियंत्रण को खरपतवार प्रबंधन जरूरी
20-25 दिन में करें निराई

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि बारानी खेती में निराई-गुड़ाई का बहुत महत्व है। दलहनी फसलों में खरपतवार, पोषक तत्वों नमी व प्रकाश आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, जिससे उपज पर कुप्रभाव पड़ता है, इसलिए खरपतवार रोकथाम के लिए एक गुड़ाई-बिजाई के 20-25 दिन बाद अवश्य करें। खरपतवार फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट जैसे सफेद मक्खी आदि को पनपने मे मदद करते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि खरीफ ऋतु में बोई गई मूंग, उड़द व ग्वार की फसलों में इस समय हरा तेला व सफेद मक्खी का प्रकोप होता है। इन कीटों के प्रकोप से इन फसलों की बढ़वार व पैदावार में कमी आती है। इसलिए इन कीटों का प्रबंधन आवश्यक है। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि मूंग और उड़द की फसलों में हरा तेला और सफेद मक्खी हानि पहुंचाते हैं। हरा तेला और सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ईसी या 250 मिली डाइमेथोएट 30 ईसी (रोगोर) को 250 लीटर पानी में मिलाकर 2-3 सप्ताह के अंतर पर प्रति एकड़ छिड़काव करें। इन छिड़कावों से विषाणु रोग (मोजैक) का फैलाव भी कम हो जायेगा, क्योंकि सफेद मक्खी इस रोग को फैलाती है। ग्वार में भी हरा तेला व सफेद मक्खी आक्रमण कर नुकसान पहुंचाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए 200 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से हस्तचालित यंत्र से छिड़काव करें। यदि फसल चारे के लिए उगाई गई हो तो छिड़काव के सात दिन तक पशुओं को यह फसल न खिलाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14.08.2020	02	03-05

दिनभर उमड़ते रहे बादल पर बरसे नहीं

दो दिन और बारिश की उम्मीद, अगस्त में केवल एक बार हुई 17 एमएम बारिश

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मानसून की सक्रियता के चलते प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश हुई, लेकिन हिसार लगातार चौथे दिन भी सूखा ही रहा। दिनभर मौसम रंग बदलता रहा। दोपहर बाद अधिकांश समय आसमान में बादल छाते रहे, लेकिन कहीं-कहीं हल्की बौछारों के अलावा कहीं बारिश नहीं हुई। फसलों के लिए लिहाज से भी यह बारिश का उपयुक्त समय है, लेकिन बारिश का इंतजार बढ़ता जा रहा है।

सुबह-शाम उमस ने लोगों को बेहाल किया वो अलग। सोमवार को अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान भी करीब दो डिग्री बढ़कर 28.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। देर शाम आसमान में घने बादल छाए रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार पिछले पांच दिनों से पूरे प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई, जबकि कई जिले या यूं कहें कि हिसार, फतेहाबाद, सिरसा के अलावा जींद और भिवानी के कुछ हलकों में भी अच्छी बारिश नहीं हो पाई। अरब सागर की तरफ से पूरा सिस्टम नहीं बन पाया था। अब दो दिन और बारिश की संभावना बनती दिख रही है और उम्मीद है कि इन क्षेत्रों में बारिश होगी। बंगाल की खाड़ी की ओर से आने वाली नमी वाली हवाओं के कारण मानसून की सक्रियता कुछ हद तक बनी हुई है, जिससे पश्चिमी हरियाणा में भी 15 अगस्त तक बारिश के आसार हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	14.08.2020	10	07-08

कीट नियंत्रण के लिए खरपतवार प्रबंधन जरूरी

- ग्वार में करें सफेद मक्खी व हरे तेले का नियंत्रण : डॉ. योगेश

हिसार। हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि बारानी खेती में निराई-गुड़ाई का बहुत महत्व है। दलहनी फसलों में खरपतवार, पौषक तत्वों नमी व प्रकाश आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करते है जिससे उपज पर असर पड़ता है । इसलिए खरपतवार रोकथाम के लिए एक गुड़ाई-बिजाई के 20-25 दिन बाद अवश्य करें। खरपतवार फसलों को नुक्सान पहुचाने वाले कीट जैसे सफेद मक्खी इत्यादि को पनपने मे मदद करते है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि खरीफ ऋतु में बोई गई मूंग, उड़द व ग्वार की फसलों में इस समय हरा तेला व सफेद मक्खी का प्रकोप होता है। इन कीटों के प्रकोप से इन फसलों की बढ़वार व पैदावार में कमी आती है । इसलिए इन कीटों का प्रबधंन आवश्यक है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	13.08.2020	--	--

युवाओं पर टिका है देश का भविष्यः प्रो. समर सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान किया कि वे देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें किंतु किसानों के कल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नात्कों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्त्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्गदर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में ऑनलाईन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता करवाई गई है जिसका परिणाम बाद में निकाला जाएगा।